आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902
डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2020-2022

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत
विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 5 | अंक 21 | उदयपुर रविवार 15 नवम्बर 2020 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

दीवाली पर कृषिजीवियों द्वारा डागलों का डेकोरेशन

-डॉ. कहानी भानावत-

अनेक रूपों में हमारा देश कृषि प्रधान देश ही रहा है। प्रारम्भ से ही इसके संकेत आज भी प्रत्येक अंचल में विभिन्न रूपों में देखने को मिलते हैं। राजस्थान तो वैसे भी विविध रंगावलियों और रूपांकनों का प्रदेश रहा है। यहां का तो रेगिस्तान भी रंगरसिया बना सबको विमोहित करता है।

दीवाली पर जहां प्रत्येक घर आंगन की स्वच्छ सुथराई कर उसे सर्वथा नव्य-भव्य रूप प्रदान किया जाता है वहां कृषिजीवी लोग अपने पशुधन को भी विविध रूपों में सजाधजा कर उन्हें नया परिवेश, नया खानपान, नवनखोर वातावरण देकर उनके साथ क्रीड़ानुरंजन करते हैं। उनकी दौड़ कराते हैं। आने वाले वर्ष के शकुन लेते हैं। उनके पूरे शरीर पर नाना प्रकार की रंगोली करते हैं और सींगों को इन्द्रधनुषी छवि देते उनका बहुमान करते हैं। इसी प्रकार खेतों में फसल की रखवाली का पक्का इन्तजाम करते नाना दृश्यी डागलों का निर्माण करते हैं।

पहले से बने डागलों का कायाकल्प कर उन्हें नूतन सज्जा देते हैं। ये डागले एक मंजिल से लेकर दो-दो मंजिल तक के होते हैं। इन्हें बनाने के लिए सहज सुलभ वृक्षों की डालियां, पत्तों, बांसों, झाड़ियों तथा पकी फसल के डण्ठलों का बड़ी खूबसूरती से उपयोग कर बया पक्षी की तरह भांति-भांति का आंकड़-बांकड़ गूंथन देते सर्वऋतु सुखद बनाते हैं।

इन डागलों में सब तरह की सुविधाएं होती हैं। ये इतनी ऊंचाई लिए होते हैं कि खड़ी फसल के ऊपर ठेठ दूर तक निगाह पहुंच सके और खेत में खड़ी फसल को हानि पहुचाने वाले पक्षियों, जीव-जन्तुओं, पशुओं, हिंसक जीवों तथा चोर-लुटेरों से फसल को

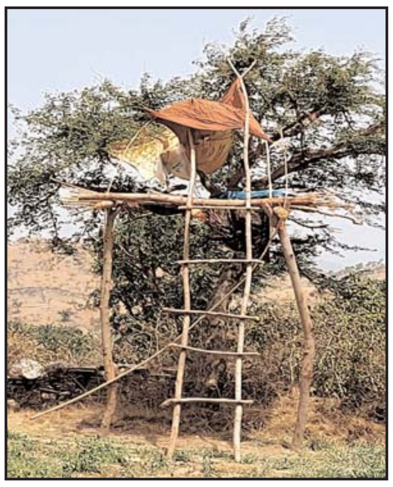

बचाते उसकी रक्षा की जा सके। दिन को तो लटाटूट पक्षियों से फसल का बचाव होता ही है पर रात्रि को भी खेतों की रक्षा हो सके।

इसके लिए किसान अपनी गोफन चलाते हैं। यह एक तरह का रस्सी से गूंथा छींके की तरह का होता है जिसमें ढेला, कंकड़ आदि भरकर वार किया जाता है जो भन्नाट करती गूंज देता दूर-दूर तक सटीक चोट करता है। यह चमड़े का भी होता है। इसी तरह का एक गिलोल होता है जिसमें कंकड़ रखकर वार किया जाता है। जब लड़ालूम पक्षियों का झुण्ड किसी फसल पर टूट पड़ता है तब जोर-जोर की थाली बजाई जाती है। छोटी ढोलक या फिर डमरू, ढाक भी बजाकर भय पैदा कर उन्हें भगाया जाता है।

मुंह द्वारा सीटी या किलकारी मारकर भी छोटी-छोटी चिड़ियों को फसल से बचाया जाता है। इसके लिए पूंपाड़ी बनाकर भी शोर पैदा किया जाता है। इससे नीलगाय, भेड़िया, सियार, गीदड़, जरख, लोमड़ी, तेंदुआ तथा भालू जैसे जानवर भी भागते बनते हैं। चोर भी यकायक साहस नहीं कर सकते। रात को शयन के अलावा दिन को विश्राम करने के लिए भी डागलों का उपयोग होता है। छोटे-छोटे बच्चों के लिए पालना भी लगा दिया जाता है ताकि शिशु उसमें अराम की नींद सोता रहे और उसकी मां खेती सम्बन्धी कार्यों में हाथ बटाकर श्रमशील बनी रहे। फसल रक्षा के लिए मानव के प्रतीक रूप में, बीजूके भी खेत की पाली पर अथवा फसल के बीच खड़े कर दिये जाते हैं। ये बीजूके सिर के रूप में उल्टी हण्डिया से लेकर तरह-तरह की पोशाक पहना कर खड़े साक्षात् मनुष्य होने का भ्रम देते फसल चट करने वालों को भगाते हैं।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

शब्द रंजन
उदयपुर, रविवार 15 नवम्बर 2020

सम्पादकीय

फीकी होती दीवाली की रंगत

'बीती ताई बिसारि दे आगे की सुध लेई' यह कथन अपनी जगह ठीक है पर हर जगह लागू होकर सटीक नहीं बैठता। हम अपने बचपन की बात कैसे भूलादें। हमारे साथ जो बुजुर्ग रहते हैं उनकी बात कैसे अनसुनी करदें और यूं भी अतीत को विस्मृत कर हम चैन से रह भी सकते हैं क्या?

अतीत की अनेक घटनाएं हमारी आदर्श बनकर हमें प्रेरणा देती हैं। सत्य के लिए राजा हरिश्चन्द्र, दान के लिए कर्ण, आपदा के समय भामाशाह, स्वाभिमान की रक्षा के लिए महाराणा प्रताप, प्रण का निर्वाह करने के लिए पाबूजी, कर्तव्य पालना के लिए हाड़ीरानी, रूण्ड द्वारा शौर्य दिखाने कल्लाजी राठौड़, अस्सी घाव के रणबाज राणा सांगा, प्रेम दीवानी मीरां, जौहर जीती पद्मावती जैसे अनेक रत्नों से इतिहास सदैव यशोमण्डित रहेगा। ऐसे ही दीवाली हमारे अगजग को ही नहीं, अन्तर के तम को भी प्रकाशित करने वाला त्यौहार रहा है पर इस बार कोरोना की ऐसी हिलोर चली कि हम सभी हर दृष्टि से हिल गये हैं। इससे हमारा हेलमेल, आपसी रिश्तेनाते, अपने-पराये की समझ, सौहार्द-सरकारों के भाव, खाने-पीने, रहने-सहने, कमाने-धमाने, जाने-आने, मिलने-बैठने सबके लाले पड़ गये हैं। सब रंगत फीकी, अलूणी, बेरंग, बेमानी और बोबड़ी हुई लग रही है। मन जब उदास होता है तो हर रंगत फीकी लगती है।

पूछो उन लोगों से जो कोरोना के कारण अपनों को खो चुके हैं। जो खुद उसकी चपेट भोग चुके हैं और पड़ौस में उसकी दस्तक देती आहट महसूस कर चुके हैं। आशा करते हैं, दीवाली के बाद दयानिधे! हमें ये दिन और यह समय देखने को नहीं मिलेगा!

समृद्धि सूचक यंत्रों की पूजा-अर्चना

-डॉ. तुक्तक भानावत-

मानव जीवन में यंत्रों का प्राचीनकाल से महत्व रहा है। ये यंत्र जीवन शुद्धि के प्रतीक रहे हैं। मनुष्य जीवन में कई तरह की लालसाएं अभिलाशाएं निरन्तर बनी रहती है। इनकी पूर्ति के लिए व्यक्ति कई तरह के प्रयत्न और पुरूषार्थ करता है। संतान प्राप्ति से लेकर धन प्राप्ति, ऋण मुक्ति, पदोन्नति और विदेश यात्रा जैसे कई प्रसंग निरन्तर छाया की तरह उसे घेरे रहते है तो दूसरी ओर नाना प्रकार के रोग, शोक, दुख और बाधाएं भी उसे जकड़े रहती हैं। इन सबसे निजात पाने के लिए यंत्र सर्वाधिक सशक्त एवं असरकारी माध्यम है। इन्हें बनाने तथा लिखने के लिए विशिष्ट प्रकार की साधनाओं एवं प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है।

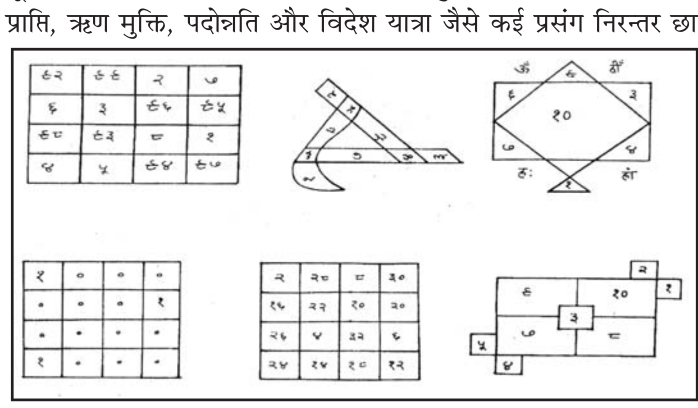

संख्या में यंत्र अनगिनत है। कोई हिंगलू से लिखा जाता है तो कोई सिन्दूर से। कोई गेरू से लिखा जाता है तो कोई कुमकुम से। कोई पंच गंध, अष्ट गंध से लिखा जाता है तो कोई नारियल पर सोने-चांदी के वर्क पर ताम्र अथवा रजत पत्र पर यंत्र लिखकर पास में अथवा पूजा स्थान पर रखने से भी धन्य धान्य के साथ सुख शांति की वृद्धि होना माना जाता है। भोज पत्र अथवा कागज पर लिखे जाने वाले यंत्र मादलिए में बंद किए जाने से लेकर जेब में रखने, पगड़ी-टोपी मे रखने, बैइक अथवा गादी के नीचे रखने या चांदी के कलश में रखने पर फलदायी माने जाते है। गले और हाथों पर भी ये बांधे जाते हें। इन्हें सिद्ध करने की कई विधियां हैं। अनार, चमेली तथा सोने की कलम इन्हें लिखने में काम ली जाती है।

यंत्र मुख्यतया अंकों पर ही आधारित होते हैं। ये अपने प्रभाव को प्रत्येक दिशा में एक सा बनाए रखते है। इनका प्रयोगकर्ता सभी प्रकार के व्यसनों से मुक्त, शुद्ध, सात्विक, खान-पान एवं पवित्र आचार-विचार वाला होना आवश्यक है। यही कारण है कि पहुंचे हुए साधु, यति और साधक ही इनके प्रयोगकर्ता होते हैं। ये यंत्र बिसा, तिसा, चौतिसा से लेकर बावनिया, सित्तरिया, सौ, पांच सौ, हजार, दस हजार और एक लाख तक की संख्या लिए होते हैं। लाख की संख्या वाले यंत्र लक्षिया अथवा लखिया यंत्र कहलाते हैं। आयताकार, त्रिभुज से लेकर कई तरह के कलात्मक रूप, स्परूप में इन यंत्रों की शोभा देखते ही बनती है। इनमें दीवाली पर दरवाजे पर या फिर भीतरी और देवस्थान पर, दुकानों में नाना प्रकार के यंत्र लिखे जाने की सात्विक परंपरा देखने को मिलती है। इनका लक्ष्य मुख्यत: द्रव्य प्राप्ति और लक्ष्मी प्राप्ति रहता है। दीवाली के दिन मुख्यत: पंदरिया, बिसिया, चौतीसा, पैसठियां, अड़साठिया, बहतरिया तथा दो सौ यंत्रों की बहुलता देखने को मिलती है। उदयपुर शहर में घूमने पर मण्डी, सूरजपोल तथा बड़ा बाजार इलाके में विभिन्न तरह के यंत्रों की बहुलता देखी गई जबकि बापू बाजार, चेतक सर्कल तथा अश्विनी बाजार जैसे क्षेत्रों में अपेक्षाकृत इनकी संख्या कम पाई गई। गांवों में प्रमुखत: जैन समाज की दुकानों में ये यंत्र सिन्दूर में लिखे देखे गए।

विद्यापीठ में 30 दिवसीय पीएचडी कोर्स वर्क का समापन

उदयपुर (विज्ञप्ति)। छात्र शोध का विषय ऐसा चुने जो समाज और राष्ट्र को आगे लाने में सहयोगी हो साथ ही शोध विषयों को गंभीरता से लेते हुए इसमें नई खोज होनी चाहिए। शोधार्थी कॉपी पेस्ट के कल्चर को बिल्कुल बंद कर दे। शोध के माध्यम से हमारी टेक्नोलॉजी, सभ्यता, संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। ये विचार जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी शोधार्थियों के लिए आयोजित 30 दिवसीय कोर्स वर्क के समापन पर एमपीयूटी के कुलपति प्रो. एन. एस. राठौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि शोधार्थी ऐसे विषय चयन करे जो हमारी ग्रामीण समस्याओं पर आधारित हो और शोध के माध्यम से उनका निराकरण हो सके। रिसर्च वर्क में गहन अध्ययन और फील्ड वर्क की महत्ती आवश्यकता होती है। विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय विवि गोरखपुर के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना ने आमजन को आधुनिक एवं नवीनतम तकनीक से जोड़ दिया है। बदलते परिवेश में आईटी का प्रयोग किया जाना चाहिए। अतिथियों का स्वागत पीजी डीन प्रो. जी.एम. मेहता ने किया। कोर्डिनेटर डॉ. पारस जैन ने बताया कि इस कोर्स वर्क में 125 शोधार्थियों ने भाग लिया।

पीआईएमएस की ओर से दीपोत्सव की मंगल कामनाएं

उदयपुर (विज्ञप्ति)। प्रकृति की सुरम्य गोद में अवस्थित आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए समर्पित पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस), उमरड़ा के चेयरमेन आशीष अग्रवाल की ओर से सर्वजन को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के इस कठिन दौर में दीपोत्सव की खुशियों को सबके साथ बांटें तथा सबकी हर संभव मदद करें। सार्वजनिक स्थानों पर दो गज की दूरी तथा नियमित रूप से मास्क लगाने के नियम का खुद तो पालन करें ही, दूसरों को भी जागरूक करें। ऐसा करके हम इस वैश्विक महामारी को हरा सकते हैं तथा सबके जीवन में खुशियों के रग भर सकते हैं। हम सबको मिलकर सर्वे भवंतु सुखिन:, सर्वे संतु निरामया: के मंत्र को अंगीकार करना है। गौरतलब है कि पीआईएमएस, उमरड़ा कोरोना काल में पीड़ित-परेशान लोगों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहा है और आगे भी रहेगा।

तीर्थंकर भगवान श्री पार्श्वनाथजी और लोकदेवता श्री कल्लाजी राठौड़ सबका कल्याण करें। दीवाली पर शब्द रंजन के पाठकों, सहयोगियों, लेखकों तथा शुभेच्छुओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं

पार्श्वकल्ला
PARSHVAKALLA

PARSHVAKALLA PUBLIC RELATIONS
PARSHVAKALLA PAPERS
PARSHVAKALLA ADVERTISERS
मुक्तक प्रकाशन
सम्पति संस्थान
शब्द रंजन (विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक)

प्रतिष्ठान: 'पार्श्वकल्ला' 13 14, म्यूनिसिपल शॉप, चेतना होटल के पास, चेटक सर्कल, उदयपुर 313004 (राज.) फोन : + 91 294 2429291, मो. 94141-65391
निवास: 352, श्रीकृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर 313001
फोन : +91 294 2412174, मो. 8003377333, E-mail : drtuktakbhanawat@gmail.com

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी विश्वविद्यालय)

GRADE 'A' ACCREDITED BY NAAC

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राजस्थान) फोन एवं फैक्स : 0294-2492440

E-mail : admissions@jrnrvu.edu.in

सरस्वती श्वेयन्ते हवन्ते

प्रवेश प्रारम्भ-2020-21

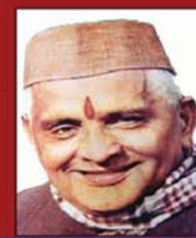

पंडित जनार्दन राय नागर संस्थापक

पंडित जनार्दन राय नागर की 109 वीं जयंती

माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय

सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी संकाय : फोनः 0294-2413029, 2410776, मोः 9829160606

•बी.ए.: अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन, पर्यावरण विज्ञान,ज्योतिष, संगीत •एम.ए. : अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, संगीत •एम.फिल •डिप्लोमा कोर्सेज : डिप्लोमा इन म्युजिक (सुरमल्हार) •पी.जी. डिप्लोमा इन जी.आई.एस. एण्ड रिमोट सेन्सिंग •बैचलर ऑफ जर्नलिस्म एण्ड मास कम्युनिकेशन •सर्टिफिकेट कोर्सेज : स्पोकन इंग्लिश, प्रोफिशियन्सी इन इंग्लिश एण्ड कम्यूनिकेशन स्किल्स, कल्चर ऑफ राजस्थान, रिसर्च मैथड्स एण्ड डाटा एनालिस्ट, ह्युमन राईट्स, एम.एससी.इन जी.आई.एस.

वाणिज्य संकायः फोन : 0294-2413029, 2410776, मोः 9460275655

•बी.कॉम. •बी.बी.ए. •एम.कॉम. : लेखांकन, व्यावसायिक प्रशासन •एम.आई.बी. •एम.फिल. •मास्टर ऑफ एन.जी.ओ. मैनेजमेन्ट •पी.जी. डिप्लोमा इन ट्रेनिंग एण्ड डवलपमेन्ट •सर्टिफिकेट कोर्सेज : प्लास्टिक प्रोसेसिंग एण्ड मैन्युफैक्चरिंग स्किल्स,टैली ई.आर.पी. 9.0, गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स (GST)

Faculty of Education

B.A. B.Ed/ B.Sc. B. Ed. (Four Year Integrated Course) Mob. 9460693771

फैकल्टी ऑफ कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी

(फोन : 2494227, 2494217, मोबाइलः 9887285752)

•**MCA** •**M.Sc.** (Computer Science) •**PGDCA** •**BCA**

Department of Pharmacy, मो. 9414869044

D. Pharm (Diploma in Pharmacy)

फैकल्टी ऑफ साइंस,फोन : 9461179656, 9461109371

•**B.Sc.** (Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology)
•**M.Sc. Chemistry** (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
•**M.Sc. Mathematics, Physics, Botany and Zoology**

ज्योतिष एवं वास्तु संस्थान मो. 9460030605

•एम.ए. ज्योतिर्विज्ञान •डिप्लोमा ज्योतिष •डिप्लोमा वास्तु •प्रमाण पत्र-ज्योतिष, वास्तु, हस्तरेखा, पूजा पद्धति कर्म काण्ड, वैदिक संस्कार संस्कृति (रविवार)

सायंकालीन महाविद्यालय मो. 9829332300

बी.ए., बी.कॉम, एम.ए., एम.कॉम सभी विषय, एम.ए., एम.एससी. (मनोविज्ञान) बी.लिब, एम.लिब, बी.एड. (स्पेशल एम.आर.), डी.एड (आर.सी.आई से मान्यता प्राप्त), पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एवं कांउसलिंग, Master of Disaster Management

Department of Physical Education (Evening) Phone: 9352500445

•Diploma in Yoga •M.A. in Yoga •M.A. In Physical Education
•Diploma in Gym Instructor

Physical Education (शारीरिक शिक्षा) मोबाइल : 9829943205, 9352500445

•मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (M.P.Ed.) •MA (YOGA Education)

डिपार्टमेन्ट ऑफ लॉ, मोबाइल 9414343363, 9928246547

•LL.B. •LL.M. (2 Years) •B.A.LL.B (5 Years) •PGDCL •PGDLFS •PGDLL

साहित्य संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज) (फोन 0294-2491054)

•M.A.. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान (Archaeology)
•PG Diploma – पुरातत्व विज्ञान (Archaeology)

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग-राजस्थान विद्यापीठ टेक्नोलॉजी कॉलेज

मो.9829009878-9950304204 फोनः 0294-2490210

•**Diploma in Engineering** – सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग •**Diploma in Engineering (तीन वर्षीय पाठ्यक्रम)**

डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजियोथैरेपी फोन : 0294-2656271 मो. 9414234293

•मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी •बेचलर ऑफ फिजियोथैरेपी
•PhD in physiotherapy •Fellowship in palliative care and oncology rehabiliatation •Fellowship in neurological rehabiliatation

उदयपुर स्कूल ऑफ सोशल वर्क – फोन 0294-2491809- 9314696406

•**MSW** •पी.जी. डिप्लोमा-**HRM** •**NGO** मैनेजमेन्ट •**Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD)**

डायरेक्ट्रेट ऑफ जनशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम (फोन : 2490723)

- DCA (Diploma in Computer Applications)
- **PG Diploma In Police Science and Criminology**

स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, डबोक

- B.Sc. (Hons.) Agriculture (कृषि)

फैकल्टी ऑफ एजुकेशन

लोकमान्य तिलक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, डबोक (फोन : 0294-2655327, 2657753)

•M.Phil •M.Ed. •B.Ed. - M.Ed. Integrated.
•B.Ed. •B.Ed. (CD)
•B.A.B. Ed. / B. Sc. B.Ed. Four year integrated Course
•D.El.Ed.

कन्या महाविद्यालय, डबोक (फोनः 0294-2655327,मो. 9460856658, 9694881447)

•B.A.• B.Com.• B.Sc.• M.A. • M.Com • M.A. (Hindi, Pol. Sc., History, Geog, Sociology, Economics) • M.Com (Accountancy) • Special classes for English Speaking and Computer Basics • M.A in English Literature

आर.वी. होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल, डबोक

(फोन : 0294-2655974, 2655975, मोबाईल : 09414156701, 09351343740)

- बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी **(BHMS)**
- **Diploma in Homoeopathic Pharmacy (2 years) course**

फैकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज (एफ.एम.एस.)

(फोनः 0294-2490632 मोः 9461260408, 9782049628)

- **MBA** • **MHRM**

Department of Travel, Tourism & Hospitality

Faculty of Management Studies 9950489333

Course Offired	Duration of Course	Eligiblity
BBA (Tourism & Travel) Specialisation in Hospitality	3 Years	12th Pass in any stream
Diploma in Hotel Management (Food & Bevrage Service)	1 Years	12th Pass in any stream
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)	1 Years	12th Pass in any stream

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

रजिस्ट्रार

स्मृतियों के शिखर (111) : डॉ. महेन्द्र भानावत

ससुराल में पहली दीवाली और मेरी बुद्धि परीक्षा

- जंवाई बड़े ठाठ और ठसके से ससुराल जाता था। वह अकेला नहीं होता था। उसके साथ नाई-खवास और सेवग होते थे जो उसकी सेवा में रहते थे। जंवाई को सब 'जंवाई राज' कहते। बड़े बूढ़े भी उसका मान बधाते।
- बुद्धि का यह पक्ष ज्ञान के, मनोविज्ञान के, चातुर्य के, रंग व्यंग्य के, कौशल के कई स्त्रोत विकसित करता है और जानकारी को ऐसी याद के साथ बांधता है कि वह जीवित बनी रहती है। दिमाग को कुरेदती रहती है जो कभी मंद नहीं पड़ती है अपितु नित नये उन्मेष को तलाशती फिरती है।
- संस्कृति के नाम पर कितनी ही बेमेल हवाएं चलें, गांवों का यह विराट वैभव अपनी अक्षुण्णता में सदाबहार ही बना रहेगा। दीवाली ऐसे ही दिलवालों की होगी।

दीवाली के साथ मानव जीवन के कई महत्वपूर्ण सरोकार और संस्कृति के जीवन सोपान जुड़े हुए हैं। वैवाहिक जीवन को मांगल्य शुभ-लाभ देने वाला भी यही त्यौहार है। शादी के बाद आनेवाली पहली दीवाली सभी नव परिणिताओं का परिणयोत्सव भी है जब जंवाई को बड़े उमंग और उल्लास से ससुराल में न्यौता जाता है।

महीने-महीने भर बड़े लाड़ प्यार से रखा जाता है। खूब मान मनुहार की जाती है। नित नये पकवान मिष्ठान्न खिलाये जाते हैं। गीतों-गालों से मनोविनोद किया जाता है। कई बहानों से मीठी छेड़खानी भी की जाती है। सालियां, सालाहेलियां और अन्य युवतियां मिल जंवाई को प्यार भरी परेशानियां भी कम नहीं देती हैं। पग-पग पर कई प्रकार की परीक्षाओं से जंवाई को गुजरना पड़ता है।

यह परीक्षा उसकी चतुराई की, चंचलता की, सजगता की, विवेक-बुद्धि की और प्रत्युत्पन्न मति की होती है जिसमें बाजी हारने पर बहुत कुछ उल्टा सीधा सुनना पड़ता है, मगर सबकुछ लाड़ प्यार में। हंसी मजाक में। ठट्ठा दिल्लगी में। राजीपने में। हंसी की फुलझड़ियां छोड़ते गीतों में। गुदगुदाती ममताभरी गालियों में। प्रहसन देती पारसियों में।

पहली बार सन् 1960 में मैं भी इन सब परीक्षाओं से गुजरा। परीक्षा पढ़ाई की हो चाहे ससुराल की दोनों ही जीवन निर्माण की महत्वपूर्ण सेतु हैं। उस परीक्षा में तो फिर भी कुछ मनचले ढील खा जायेंगे पर ससुराल की परीक्षा में तो सभी बांके बने रहना चाहेंगे। वह परीक्षा तो फिर कभी भी हो जायेगी पर यह तो एक ही बार होनी है।

तब पढ़ाई की परीक्षा का बहुत ज्यादा सोच भी नहीं था। बहुत ज्यादा पढ़ाई थी भी नहीं। मामूली पढ़े न पढ़े अपने धंधे में, हल्ले में लग जाते थे पर ससुराल की इस परीक्षा की सबको विशेष उमंग और हूंस रहती थी। घर का जंवाई पूरे गांव का जंवाई होता था। उसकी अच्छी-बुरी बातों का सब पता रखते थे और खुशी ना खुशी की चर्चाएं करते थे।

जंवाई बड़े ठाठ और ठसके से ससुराल जाता था। वह अकेला नहीं होता था। उसके साथ नाई-खवास और सेवग होते थे जो उसकी सेवा में रहते थे। जंवाई को सब 'जंवाई राज' कहते। बड़े बूढ़े भी उसका मान बधाते। जंवाई खूब सजता संवरता सिणगार करता। प्रतिदिन नये परिधान पहनता। खुशबू देने वाला तेल बालों में लगाता। कान में अतर का फूंबा रखता। हाथ में सोने के कड़े और गले में गोप होती। ये सब चीजें खुद की नहीं होती तो मांग कर लाई जातीं। लोग उदारतापूर्वक सहयोग करते।

ससुराल में जाने का मुझे सारा शिक्षण-प्रशिक्षण मेरी मां ने दिया। रहा सहा बड़ी बहन जीजां ने दिया। मां और जीजां को सारे नेगचार, गीत, गाळ, पारसी, आरसी याद थे। कई तरह की भलावण दी। कहा- 'पग-पग पर परीक्षा ली जायेगी। परखा जायेगा।

सब्जियों मिठाइयों के साथ नकली सब्जियां मिठाइयां परोसी जायेंगी। मसलन डबकुड़े की कढ़ी में कपास्ये डाले मिलेंगे। पूड़ी में रुई मिलाई मिलेगी। भोजन के बाद जूते नहीं मिलेंगे तब गुस्सा मत करना। दो रुपये नेगचार के देना तो जूते आ जायेंगे। गीत गानेवाली मजाकें करेंगी। ताने मारेंगी। उनका तनिक भी बुरा नहीं मानना। हंसते मुस्कराते रहना। ऐसी लाड़ प्यार और ऐसी आवभगत इस बार हो गई सो गई फिर बार-बार नहीं होने की।'

मैं सब सुनता रहा। उनकी सीख को ठेठ अन्तस में ऊंडे बिठाता रहा। फिर कभी मां को कोई बात याद आती तो अपना काम छोड़ मुझे कुछ कह जाती- 'सोने के लिए जाये तो पहले से खाट पर औरत के कपड़ों में लाड़ी सोई दिखेगी तब तू ताव मत खा जाना कि तुम्हारे से पहले तेरी बहू कैसे यों मन मसोस कर सोगई। वह मूसल में लिपटी नार होगी, असल नार नहीं सो जाते ही किंवाड़ बंद मत कर देना। नहीं तो बाहर खड़ी सालियां सालाहेलियां सब हंसेगी।' जीजां कहती- 'देर रात तक तुझे घेरकर औरतें बैठ जायेंगी और गीत गाळों में प्रश्नभरी पारसियों पूछेंगी जिनके उत्तर देने होंगे।' छोटी बहन बोल पड़ती- 'और ताले में भी बंद कर देंगी तब बाहर से पारसियां बोलेंगी जिनके अर्थ भीतर से देने होंगे, नहीं तो उनसे बुरा-भला सुनने को मिलेगा।'

मेरी स्थिति परीक्षा देने से पूर्व उसकी तैयारी करते समय जैसे किसी छात्र की मनस्थिति हो जाती है, वैसी हो जाती। कई बार ऊब आ जाती कि यह भी क्या झंझट है। क्यों ऐसी परीक्षा ली जाती है। कहां काम आयेंगी ये सब बातें गृहस्थी में !

इनमें नापास होने से क्या कोई अपनी गिरस्थी को सफल नहीं बना पायेगा! मेरा क्या होगा! फिर दूसरे ही क्षण विचार आता- जो होना होगा सो होगा। फैल भी हो गया तो कौनसा कोई अजीब खेल हो जायेगा। कौनसा बेगिरस्थी कर दिया जाऊंगा। पत्नी तो भेजेंगे ही भेजेंगे। ये तो टोटके टूंटके हैं सो इनसे भी हो लेंगे। परीक्षाएं तो सभी देते हैं, कौन से सबके सब पास होते हैं।

परीक्षा पोथी को हो चाहे ब्याहपन की, कोई मां यह नहीं चाहेगी कि उसका बेटा पूर्ण पारंगत सिद्ध न हो सो मां की शिक्षा-प्रशिक्षा लिए मैं धनतेरस को अपने ससुराल पहुंच गया। दस दिन बड़े लाड़लड़ावन में तातामाता होता रहा। उन सारी परीक्षाओं से गुजरा पर कहीं पाछ नहीं खाई बल्कि सर्वाधिक उपलब्धि यह रही कि उन सारे नेगचारों को, संस्कृति संस्कारों को, स्नेहिल सरोकारों को अपने खुले हिये से देखता परखता समझता पूछता रहा। पारसियों को लिखता रहा जो अर्थ छुड़ावन के लिए मुझसे पूछी जाती रहीं।

यह संख्या सौ से कम नहीं थी। मां ने मुझे वह पारसी कई बार उसी लहजे में गाकर सुनाई और कहा कि कई होशियार जंवाई भी उसका उत्तर नहीं दे पाते हैं। वह बड़ी भूलभूलैया देनेवाली आंकड़ बांकड़ है। इसके एक साथ सोलह अर्थ होते हैं। तू चकरा मत जाना। एक-एक कर सोलह ही उत्तर सुना देना।

ससुराल में मुझे यही पारसी तीन बार सुनने को मिली। मैंने जान बूझकर कोई उत्तर नहीं दिया तब फिर वह पारसी कही गई और अंत में 'खोलो जंवाई म्हारी पारसी न्हीं तो हारो घर री नार' वाली बात जब मेरे कान में पड़ी तो उत्तर सुनाकर सबको सकपके में डाल दिया। पारसी थी-

'चांदणी चौक में बावड़ी खुदाई।
अवरा सवरा पंगत्याजी।
अणी बावडी पै बाग लगायो।
घूमण रै मस आवोजी।
ससुराजी म्हारा पांच बरस रा।
सासुजी अखंड कंवारा रे।
जेठजी म्हारा ढाई बरस रा।
देराणी ऐसूं परणी नार रे।
बाईसा म्हारा एक बसर रा।
पोतड़ा में सायब मांगे रे।
सायबजी म्हारा सवाई म्हीनां रा।
म्हूं हलरावण पूतां रे।
मुझ सूता के बैठा जाय।'

उत्तर था- चरखा, ताणियां, तूंबड़, कुकड़पन्या, माल, ओदाणी, कूकड़ी, ताकरा, पाटकड़ी, घोड़ला, चमरका, चरकली, भूंगली, पूणियां, तार तथा कातनेवाली।

मुझे अपनी बुद्धि-परीक्षा की जितनी चिंता फिकर नहीं थी उससे अधिक मैं लोकमनीषा महिलाओं के बुद्धि-कौशल-चातुर्य से चमत्कृत एवं अभिभूत था जिन्होंने ऐसी पारसियां घड़ीं। केवल चरखे से जुड़ी सोलह अर्थों वाली इस पारसी के पीछे कितने मस्तिष्क लगे होंगे। मैं धन्य हो गया। इन पारसियों के साथ-साथ कुछ प्रश्नोत्तरियां भी पूछी गईं जिनके तत्काल उत्तर वांछित थे। वे जितनी चटपटी थीं उतनी ही अटपटी तथा बेहूदा लगनेवाली थीं। मैं फटाफट उत्तर देता गया। पूछने वाली सकपका गईं। पारसियां थीं-

प्रश्न - 'जंवाईजी, आपरे घर में चतुर कुण?'
उत्तर - 'बुहारी'
प्रश्न - 'मूरख कुण?'
उत्तर - 'मूसल'
प्रश्न - 'धोवती में कई?'
उत्तर - 'लांग'
प्रश्न - 'बाईजी रे घाघरा में कई?'
उत्तर - 'नाड़ो'
प्रश्न - 'कांचली में कई?'
उत्तर - 'टूंक्यां'

पारसियों में कुछ पारसी-पहेलियां तो बड़ी गूढ़ार्थ लिए भी थीं जो मेहंदी की तरह दिखती हरी पर रचती लाल थी यानी उसका अर्थ वह नहीं जो कहा जा रहा था। कुछ प्रतीकात्मक पहेलियां थीं पर बुद्धि बिना किसी का हल संभव नहीं था। इसीलिए पं. रामनरेश त्रिपाठी ने इन्हें बुद्धि पर शाण चढ़ाने का यंत्र तथा स्मरण शक्ति और वास्तु ज्ञान बढ़ाने की कला कहा है।

बुद्धि का यह पक्ष ज्ञान के, मनोविज्ञान के, चातुर्य के, रंग व्यंग्य के, कौशल के कई स्त्रोत विकसित करता है और जानकारी को ऐसी याद के साथ बांधता है कि वह जीवित बनी रहती है। दिमाग को कुरेदती रहती है जो कभी मंद नहीं पड़ती है अपितु नित-नये उन्मेष को तलाशती फिरती है। चन्द नमूने और पेश हैं-

प्रश्न - ठाकुर ने ठुकराणी नाचै देख्या रो जमाईसा
उत्तर - छाछ बिलौने की रवाई व नेतरा
प्रश्न - ठुकराणी रो फूंदो नाचै देख्यो रा जमाईसा
उत्तर - रवाई का फूल
प्रश्न - फूंदा रो फदकड़ो नाचै देख्यो रा जमाईसा
उत्तर - दही
प्रश्न - फदकड़ा री कौड़ी नाचै देखी रा जमाईसा
उत्तर - लूणी

अब वे जंवाई नहीं रहे। वैसे ससुराल भी नहीं रहे। ससुराल में प्राप्त दहेज और उम्मीदों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। मैंने कुछ भी दहेज तो चाहा नहीं था पर बिना चाहे संस्कृति की जो सम्पदा मुझे हाथ लगी, मैं आज भी उससे सराबौर हूं। मेरी यह सांस्कृतिक सम्पदा निरन्तर समृद्धिवान बनी हुई है। इस सम्पदा में कितना जीवनरस और लोकगंगा का पावन प्राणतत्व है, लोकमंगल का उजास, आत्मानंद की वह अखंड जोत है जो हजार आंधी तूफान के बावजूद ज्योतिर्मय बनी हुई है।

ससुराल आज भी जाता हूं। सास श्वसुर अब नहीं रहे पर संस्कृति-संस्कार की वह गंध खिलखिला पड़ती है जब साला-बहू और उस बहू की बहू मिल मुझे जंवाई बना उसी स्वर-सुर का अवगाहन देते हैं तब आज की नश्वर-असुर होती संस्कृति के सौ चोट खाकर भी मैं अपने पुरातन के वैभव में खो जाता हूं। संस्कृति के नाम पर कितनी ही बेमेल हवाएं चलें, गांवों का यह विराट वैभव अपनी अक्षुण्णता में सदाबहार ही बना रहेगा। दीवाली ऐसे ही दिलवालों की होगी।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

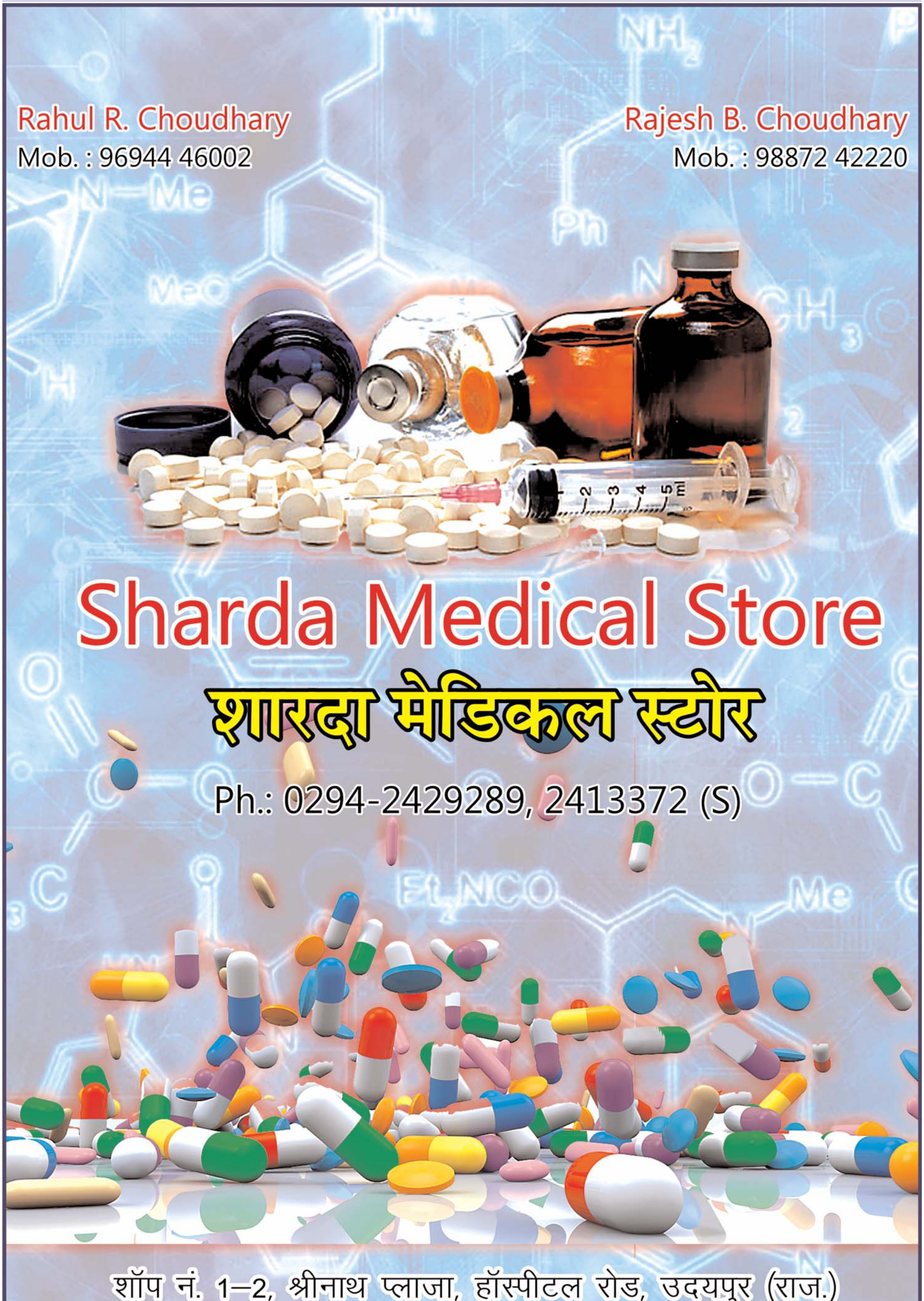

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

PMCH HEALTH ADVISORS

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

अरे! अब एक ही छत के नीचे विश्व स्तरीय चिकित्सकों की विशाल टीम

उदयपुर अब देश के उन चुनिंदा शहरों में शुमार है, जहां इलाज की सबसे आधुनिक विधा से मस्तिष्क रोग, हृदय रोग, मूत्र रोग, पेट एवं उदर रोग, गुर्दा रोग, कैन्सर रोग, बच्चों को सुनने एवं बोलने में सक्षम बनानें के लिए कॉकलियर इम्पांल्टजैसी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है।

करीब दस साल पहले तक कुध चुनिंदा निजी अस्पतालों में उपचार की सुविधाओं वाली लेकसिटी अब सस्ते और आधुनिक उपचार में मेड्किल हब के रूप में पहचान बना चुकी है। और इन विगत सालों में झीलों की नगरी में बड़ा परिवर्तन लेकर आया, भीलों का बेदला स्थित पेसिफिक मेड्किल कॉलेज एवं हॉस्पिटल।

पेसिफिक मेड्किल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में नई तकनीक और किफायती उपचार के चलतें दक्षिणी राजस्थान के मरीजों को न्यूरोसर्जरी एवं फ्लों डाईवर्टर द्वारा ब्रेन हेमरेज का उपचार, हृदय की बाइपास सर्जरी, कैंसर सर्जरी, मूत्र रोगों से सम्बन्धित रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी, पेन्क्रिआज एवं पेट की सभी तरह की सर्जरी, प्लास्टिक सर्जरी, नि:संतान दम्पतियों के लिए आईवीएफ की सुविधा, अस्थि रोग से संबंधित विश्वस्तरीय सर्जरीयों के साथ साथ अन्य सभी रोगों की विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा। और यह सब सुविधाएं उपलब्ध करा रहें है पीएमसीएच के विश्वस्तरीय चिकित्सक मंतिष्क एवं लकवा रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुलाभ वाजपेयी, न्यूरों एवं स्पाइन सर्जन डॉ.नरेन्द्रमल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जे.सी. शर्मा, यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन डॉ.हनुवन्त सिंह राठैड, नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किड्नी ट्रांसप्लांट फिजीशियन डॉ.आशुतोष सोनी, गेस्ट्रो सर्जन डॉ. विकेश जोशी, गेस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. राजन ढिंगरा, कैन्सर विशेषज्ञ डॉ. डी.पी. अग्रवाल, डॉ. मनोज महाजन, कैन्सर सर्जन डॉ.सौरभ शर्मा, जनरल सर्जन डॉ. के.सी. व्यास बर्न, प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. गुरूभूषण, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ.राजरानी शर्मा, आई.वी.एफ विशेषज्ञ डॉ. मनीषा वाजपेयी, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.सी. जैन, मधुमेह, थॉइराइड एवं हार्मोन्स रोग विशेषज्ञ डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ.मोना ढिंगरा, मधुमेह,थॉइराइड रोग विशेषज्ञ एवं सीनियर फिजिशियन डॉ.जगदीश विश्नोई, सीनियर फिजिशियन डॉ. के.आर. शर्मा, शिशू रोग विशेषज्ञ डॉ. पुनीत जैन, स्पाइन एवं जाइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन डॉ. सालेह मोहम्मद कागजी एवं 200 से ज्यादा चिकित्सकों की उच्च प्रशिक्षित टीम।

सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं : पीएमसीएच में सुपर स्पेशियलिटी विभागों में जहां न्यूरो सर्जरी, गेस्ट्रो सर्जरी, मूत्र रोगों से सम्बन्धित रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जरी, कीमोथेरेपी, ऑन्कोलॉजी, क्लीनिकल हेमेटोलॉजी सहित अन्य सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यहां आने वाले पेशेंट को किफायती मेड्किल सुविधाएं और इलाज मिलता है। 900 बेडेड इस मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 100 बेडेड आईसीयू (न्यूरो आईसीयू, एमआईसीयू, आईसीसीयू, एस आईसीयू, एन आईसीयू एवं पी आईसीयू) 14 ऑपेरशन थियेटर, प्राइवेटवार्ड, 24 घण्टेएमआरआई, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे और सभी तरह की मूत्र एवु रक्त की जॉचों की सुविधा के साथ-साथ न्यूरो सर्जन, ईएनटी सर्जन, डेंटल सर्जन, ऑर्थो सर्जन, ट्रोमा सर्जन, एनेस्थेसिया समेत कई विशेषज्ञ हर समय मौजूद रहते हैं।

नि:शुल्क रोगी वाहन सेवा पीएमसीएच हॉस्पिटल चेटक सर्किल से मात्र 8 किमी.की दूरी पर स्थित है। बस से सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करे :- 7665017685

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना

भीलों का बेदला, सुखेर-पिण्डवाड़ा हाईवे, उदयपुर, फोन: 0294-3520000, 7665017696, 7230045350

RSMM, BSNL, MLSU, Maharana Pratap Airport - Udaipur, ESI एवं राजस्थान सरकार के कर्मचारियों एवं पैंशनर्स के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

List of Empaneled Insurance Companies and many more for Cashless Facility

मधुर-मधुर मेरे दीपक जल।
ज्योर्तिमय अगजग जीवन कर।।

सोजतिया ज्वेलर्स पर उमड़ी भीड़

उदयपुर (विज्ञप्ति)। सोजतिया ज्वेलर्स पर दीपावली पर सोना, चांदी, डायमंड ज्वैलरी खरीदने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। निदेशक डॉ. महेन्द्र सोजतिया ने बताया कि वाजिब मैकिंग चार्ज एवं गुणवत्तायुक्त ज्वेलरी उपलब्ध कराने पर आमजन में पैठ बना चुके सोजतिया ज्वैलर्स पर जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे ज्वेलरी खरीदने वालों की भीड़ बढ़ती गई। शोरूम की तीनों मंजिलों पर ग्राहकों की खूब चहल-पहल रही। ग्राहकों ने सोने-चांदी के लक्ष्मीजी, एंटिक, कुंदन, कलकत्ती व डायमंड ज्वेलरी की खरीददारी की। ध्रुव सोजतिया ने बताया कि ग्राहकों ने दीपावली के साथ शादियों की भी खरीददारी की और ब्राइडल की बहुत सराहना की। उन्होंने सोजतिया ज्वैलर्स पर विश्वास जताने पर जनता का आभार जताया।

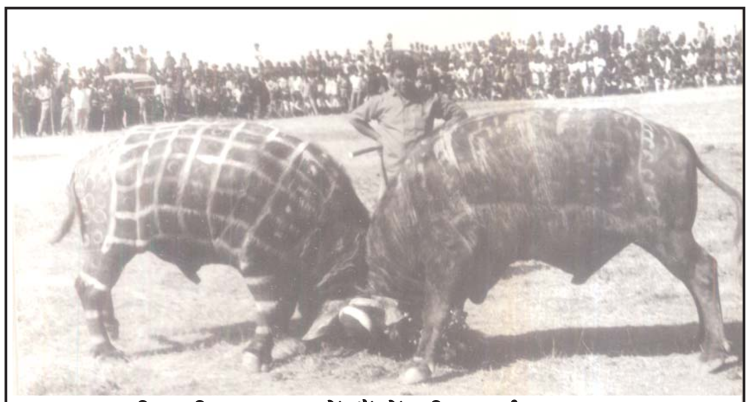

दीवाली पर सावा में भैंसों की लड़ाई का दृश्य

टेलीकंसल्टेशन्स में 25 फीसदी की वृद्धि

उदयपुर (विज्ञप्ति)। हेल्थ स्टार्टअप माईउपचार ने घोषणा की कि टेलीकंसल्टेशन में लॉकडाउन के बाद भी लगातार बढ़ोतरी जारी है। कंपनी ने जुलाई के बाद के तीन महीनों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। इससे पहले लॉकडाउन के दौरान 300 फीसदी की बढ़ोतरी हासिल की थी।

रजत गर्ग और मनुज गर्ग ने कहा कि इस नई रिपोर्ट में अगस्त 2020 तक पांच महीने के डाटा का विश्लेषण किया गया। इसमें लॉकडाउन और इसके बाद के चरणों को शामिल किया गया है, ताकि यह समझा जा सके कि टेलीकंसल्टेशन की सुविधा को आज कौन, कहां से, कैसे, किन समस्याओं के लिए और कितना इस्तेमाल कर रहा है।

नर्चरिंग नेबरहुड्स चैलेंज लॉन्च

उदयपुर (विज्ञप्ति)। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के स्मार्ट सिटीज मिशन ने नीदरलैंड स्थित बर्नाड वैन लीयर फाउंडेशन के सहयोग में 'नर्चरिंग नेबरहुड्स चैलेंज' के शुरुआती कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसे डब्ल्यूआरआई इंडिया का तकनीकी सहयोग मिला। इस पहल के तहत सार्वजनिक क्षेत्र में 0-5 वर्ष के शिशुओं और छोटे बच्चों और उनका पालन पोषण करने वाले लोगों की जरूरतों पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह पहल भारतीय शहरों के स्थिर गति से समग्र विकास और शहरों में परिवारों के लिए मित्रतापूर्ण माहौल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

12 क्रिकेटर्स ने ब्रेक द बीयर्ड चैलेंस स्वीकारा

उदयपुर (विज्ञप्ति)। आईपीएल 2020 में क्रिकेटर्स ने एक दूसरे को 'ब्रेक द बीयर्ड' चैलेंज दिया। इसमें खिलाड़ी अपनी बीयर्ड को नया लुक देकर साथी खिलाड़ियों को टैग कर ऐसा करने के लिए प्रेरित करते हैं। ब्रेक द बीयर्ड ट्रेंड की शुरुआत एमएस धोनी ने की। उन्होंने 'थाला' लुक रखा। इसके बाद कियरोन पोलार्ड ने फ्रेंच बीयर्ड रखी और दिनेश कार्तिक को चुनौती दी। कार्तिक ने वान डाईक स्टाईल अपनाई। इसके बाद कुणाल पंड्या ने गोटी लुक और मूंछ रखी। इसे जप्पा बीयर्ड कहते हैं।

फाफ डु प्लेसिस एंकर बीयर्ड, एबी डि विलियर्स चिन स्ट्रैप एवं अपनी शार्प जॉ लाईन के साथ स्मार्ट दिखे। इस दौड़ में युवा क्रिकेटर्स भी शामिल हो गए। देवदत्त पडाईककल, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, इसुरू उडाना और सूर्यकुमार यादव के साथ श्रेयस अईयर और जसप्रीत बुमराह ने भी एक दूसरे को चुनौती दी।

एरियल के लॉन्ड्री पॉड लॉन्च

उदयपुर (विज्ञप्ति)। पीएंडजी के अग्रणी डिटर्जेंट ब्रांड एरियल ने 'पॉड' नामक लॉन्ड्री उत्पाद की क्रांतिकारी शुरुआत की है।

पीएंडजी इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर तथा फैब्रिक केयर के वाइस प्रेसीडेंट शरत वर्मा ने कहा कि ये पॉड एक बार में ही इस्तेमाल होने वाले टैबलेट की शक्ल में बेचे जाते हैं। दुनिया भर के कई देशों में लॉन्ड्री करने के सबसे सुविधाजनक तरीके के तौर पर लॉन्ड्री पॉड पहले से ही से लोकप्रिय हैं। हाल ही में भारत के अंदर लॉन्च किए गए एरियल के 3 इन 1 पॉड पहले से ही एक धुलाई-प्रक्रिया से लैस कैप्सूल हैं, जिनमें गाढ़ा तरल डिटर्जेंट भरा होता है। एरियल के 3 इन 1 पॉड में तीन चेम्बर होते हैं जो उपभोक्ताओं को एक 3 इन 1 एचडी धुलाई का लाभ दिलाते हैं। यानी धुलाई करना, दाग-धब्बे छुड़ाना और कपड़े चमकाना। ये पॉड 2 आकारों- 18 और 32 काउंट के पैक में मिलेंगे। 18-काउंट वाले पैक की कीमत 432 और 32-काउंट वाले पैक की कीमत है 704 रुपए है।

डिजिटल क्षमताओं को बढ़ाया

उदयपुर (विज्ञप्ति)। एमवे इंडिया ने डिजिटल बदलाव की यात्रा शुरू की है। कुछ बड़े वैश्विक रुझानों के साथ एमवे की बहुवर्षीय विकास रणनीति में सोशल कॉमर्स के माध्यम से उद्यमिता को विस्तार देना शामिल है।

एमवे इंडिया के सीईओ अंशु बुधराजा ने कहा कि एमवे में डिजिटल ऐसा फंक्शन है, जिसमें सबसे भारी निवेश किया गया है। डिजिटल बदलाव की यात्रा के हिस्से के रूप में कंपनी ने मैन्युफैक्चरिंग ऑटोमेशन, होम डिलीवरी को बढ़ावा देने और अपनी डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए भारत में 150 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की है। इस निवेश के साथ एमवे इंडिया का उद्देश्य अपनी पहुंच में सुधार करना और अपने डायरेक्ट सेलर्स तथा उनके उपभोक्ताओं को एक अद्वितीय यूजर अनुभव प्रदान करना है।

फिलिप्स निमोनिया के खिलाफ लड़ाई के लिए संकल्पबद्ध

उदयपुर (विज्ञप्ति)। रॉयल फिलिप्स भारत के बच्चों में निमोनिया के निदान व रोकथाम में मदद करने के अपने प्रयास मजबूत कर रहा है।

फिलिप्स के सीएसआर अभियान, 'हर सांस में जिंदगी' के तहत पाँच साल से कम उम्र के बच्चों में निमोनिया के मामलों को रोकने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। ये प्रयास जागरुकता व ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन पर केंद्रित हैं। कंपनी नॉन-प्रॉफिट संगठन, 'सेव द चिल्ड्रन' के साथ दो वर्षीय पायलट प्रोजेक्ट, 'विश्वास (उम्मीद की किरण)' पर काम कर रही है। इसका उद्देश्य सामाजिक एवं व्यवहारात्मक परिवर्तन, संचार व बच्चों में निमोनिया के मामलों के नियंत्रण के लिए किफायती व अभिनव दृष्टिकोण प्रदान करना है।

कचरा बीनने वाली महिलाओं के लिए प्रोजेक्ट नारी की शुरूआत

उदयपुर (विज्ञप्ति)। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान निर्धन वर्ग की महिलाओं के सामने आजीविका के साथ परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल की भी चुनौती है। प्लास्टिक बीनने वाली महिलाओं का बहुत बड़ा वर्ग भी इसमें शामिल है जिसके लिए कोई पुख्ता कार्ययोजना नहीं है। इस श्रेणी की महिलाओं की जिंदगी में वास्तविक बदलाव लाने तथा उन्हें सुरक्षित व स्वस्थ जीवन जीने का अवसर देने के लिए प्रोजेक्ट नारी के माध्यम से पहल की गई है।

द बॉडी शॉप की फाउंडर अनिता रोडिक और सीईओ श्रीति मल्होत्रा ने बताया कि प्रोजेक्ट नारी फंड का मकसद कचरा बीनने वाली महिलाओं का समर्थन करने के लिए धन जुटाना है। इसके तहत स्टोर्स और ऑनलाइन ऑर्डर्स से ग्राहकों से 20 रूपये के स्वैच्छिक दान को प्रेरित किया जाएगा। इस राशि से अगले छह महीनों में कचरा बीनने वाली महिलाओं के पोषण, क्षमता, पुनर्निधारण और समावेश की दिशा में जागरूकता पैदा करने के विभिन्न प्रयास किए जाएंगे। फिलहाल 5 मिलियन की राशि जुटाने का लक्ष्य है।

ग्लोबल स्टार्ट अप प्रोग्राम 'वेदांता स्पार्क' लॉन्च

उदयपुर (विज्ञप्ति)। वेदांता समूह ने 'वेदांता स्पार्क' पहल की शुरुआत की है, जिसके तहत् नावाचारो और विकास के अवसरों को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से उन डिजिटल टेक स्टार्ट अप कंपनियों के साथ सहभागीता होगी जो कि शुरूआती और वृद्धि करते हुए उपक्र म है ाीव्र गति लाने वाले इस ग्लोबल स्टार्ट अप प्रोग्राम के लॉन्च के अवसर पर जूम और फेसबुक पर लाइव 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेदांता लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ग्रुप कॉमर्शियल शरद गार्गिया ने कहा कि हम वेदांता में सभी संचालन और कार्य करने के तरीकों में नवाचार और अवसर देने एवं उत्साही प्रतिनिधित्व को प्रोत्साहित करते है। मुख्य डिजिटल अधिकारी, आनंद लक्ष्मीवरहन आर ने कहा कि हमें नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के कर्मचारियों और बाहरी लोगों को जोड़ना चाहिए ताकि वे वर्तमान परिस्थिति की चुतौती दे कर नई दिशा दे सकें। फोर्ज के सह संस्थापक और मुख्यकार्यकारी अधिकारी विश्व सहस्त्रनमम ने कहा कि यह कार्यक्रम व्यापक कार्पोरेट ओपन इनोवेशन प्रोग्राम है जिसमें 75 से अधिक नवाचार चुनौतियां है जो कि 16 थीम पर आधारित हैं। वेदांता स्पार्क दुनिया के स्टार्ट अप को बढ़ावा देने के लिए मिल पत्थर साबित होगा।

कूल्हे की टूटी हड्डी का सफल ऑपरेशन

उदयपुर (विज्ञप्ति)। जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विभाग में महिला के कूल्हे की टूटी हड्डी का सफल ऑपरेशन किया है।

डायरेक्टर डॉ. सुरभि पोरवाल ने बताया कि उदयपुर की 65 वर्षीय महिला घर में ही फिसलने से घायल हो गई थी। इस पर परिजन महिला को जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल के हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विभाग में लाए। जहां एक्स-रे रिपोर्ट में महिला की हड्डी टूटने का पता चला। इस पर उसका ऑपरेशन कर हड्डी को जोड़ा गया।

गरीबों के घर जले खुशी के दीप

उदयपुर (विज्ञप्ति)। नारायण सेवा संस्थान की मुहिम 'गरीब के घर खुशियों की दीवाली' के तहत वियाल ग्राम के आदिवासी परिवारों के संग दीप जलाकर दीपोत्सव मनाया।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि निदेशक वंदना अग्रवाल की टीम ने आदिवासी बहुल क्षेत्र वियाल के निर्धन और विधवाओं के घर में दीपक जलाकर उन्हें बर्तन, मिठाई और भोज्य सामग्री भेंट कर सार्थक दीवाली मनाई। संस्थान से सहयोग पाकर गरीब माताएं और बंधु अति प्रसन्न हुए। इन गरीबों की खुशी से चमकती आंखे दिल सकून देने के साथ और ज्यादा मदद करने की प्रेरणा देने वाली रही।

रोगियों के देखभाल की ट्रेनिंग दी

उदयपुर (विज्ञप्ति)। पारस जे. के. हॉस्पिटल में नर्सेज को डायबिटीज के रोगियों की देखभाल के लिए प्रषिक्षित करने के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मधुमेह रोग विषेषज्ञ डॉ. जय चौरड़िया ने मधुमेह के रोगियों की देखभाल के साथ, उपचार में क्या सावधानी बरती जाय, टाईप-1 व टाईप-2 के रोगियों, किडनी, ब्रेन हेमरेज, लिवर संबधित रोगियों की देखभाल तथा वर्तमान समय में च ल रहे डायबिटीज के नवीनतम उपचार की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रोगियों के लापरवाही बरतने से डायबिटीज शरीर के दूसरे अंगों को प्रभावित करती है। वर्कशॉप में उदयपुर व आसपास के क्षेत्रों के 40 से अधिक नर्सेज ने भाग लेकर डायबिटीज के आधुनिक उपचार के बारे में जाना।

डॉ. जय ने बताया कि गंभीर रुप से पीडित मरीजों को डायबिटीज के साथ-साथ दूसरे अंगों व उनसे संबधित रोगों का भी ध्यान रखना पडता है। विषेषकर किडनी के रोगियों को डायबिटीज होने की संभावना ज्यादा रहती है। इस कारण किडनी रोगियों को डायबिटीज के समय ज्यादा ख्याल रखना चाहिये। इस अवसर पर अस्पताल के फेसेलिटी डायरेक्टर विष्वजीत कुमार ने उपस्थित नर्सेज को कोरोना सुरक्षा किट देकर सम्मानित किया।

टाटा और ज़िंक में एमओयू

उदयपुर (विज्ञप्ति)। टाटा स्टील ने अपनी इकाइयों में ज़िंक आपूर्ति हेतु हिन्दुस्तान ज़िंक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। आत्मनिर्भर भारत के तहत् टाटा और ज़िंक की यह 'वोकल फॉर लोकल' पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। एमओयू के तहत ज़िंक, टाटा स्टील और टाटा स्टील बीएसएल को ज़िंक की आपूर्ति करेगा।

ज़िंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि टाटा स्टील के लिए ज़िंक द्वारा वेण्डर मैनेजमेंट इन्वेंट्री, वीएमआई को लागू किया है जिसके तहत् विशेष ध्यान रखा जाएगा। ज़िंक के वेयरहाउस से समय और सावधानी का ध्यान रखते हुए सामग्री को अविलंब पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा, ज़िंक टाटा समूह की कंपनियों के लिए पूरे भारत में अपने सभी डिपो में स्टॉक रखेगा।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी	"भारत का विश्वसनीय रिटेल ज्वेलर" पुरस्कार विजेता	डायमंड मे "ऑथेन्टिसिटी अवार्ड" से सम्मानित	सोने में एंटीक,कुंदन,कलकत्ती ज्वेलरी की, नयनाभिराम लेटेस्ट डिजाइनों का अनूठा संग्रह
रिजनेबल मेकिंग चार्जेज	IGI सर्टिफाइड डायमंड ज्वेलरी	शुद्ध चांदी के सिक्के,बर्तन, पायल एवं गिफ्ट आर्टिकल्स	सातवीं बार कार जीतने का मौका प्रत्येक 5,000 की खरीद पर एक ईनामी कूपन

सोजतिया ज्वेलर्स, कोर्ट सर्कल, उदयपुर 0294-2410331, 9214356031

जड़ाऊ पोलकी ज्वेलरी निर्माण में निपुणता

जड़ाऊ आड़, हथपान, बाजु, पोंची, कांकण पटिया, टीका, बोर, रखड़ी, भुजबंध, लड़ा, लंगर, सुत्तला, रवातुसी, चांदपटिया, चांदबाली खड़ा पटिया, सब्य सांची का नयनाभिराम कलेक्शन तथा इनके निर्माण मे महारत हासिल कुशल हस्तशिल्पियों द्वारा ग्राहकों के आर्डर को पूरी तन्मयता से पुरा करने की परम्परा...

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

SAI TIRUPATI UNIVERSITY

SAI TIRUPATI UNIVERSITY UDAIPUR

(Established by the Rajasthan State Legislative Assembly as per Sec. 2(f) of UGC Act 1956.)

Constituent Colleges:

PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

VENKATESHWAR INSTITUTE OF PHARMACY

VENKTESHWAR COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY

VENKTESHWAR SCHOOL OF NURSING

VENKTESHWAR COLLEGE OF NURSING

ADMISSIONS OPEN FOR NEW COURSE

B. Pharm. (Session 2020-21)

Eligibility :10+2 Science (Biology/Maths)

Duration : 4 Years (8 Semesters)

Approved by PCI, New Delhi

Contact: 9116132834, 9587890082

Email: admission@saitirupatiuniversity.ac.in

Web: http://www.saitirupatiuniversity.ac.in

Courses Offered

- MBBS
- MD/MS
- M.Sc.(Medical Sciences)
- Ph.D.
- M.Sc.(Nursing)
- B.Sc.(Nursing)
- D. Pharm.
- BPT
- GNM

SALIENT FEATURES

- Highly Qualified & Professional Faculty
- Practical Exposure at its own 800 Bedded Multi Super speciality Hospital
- Modern & Highly Equipped Labs, Classrooms
- Wi-Fi Campus & Digital Library

PIMS हॉस्पिटल, उमरड़ा

PIMS

NABH PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE PRE ACCREDITED

24/7 EMERGENCY SERVICE आपातकालीन सुविधाएँ उपलब्ध

हमारे सुपरस्पेशियलिस्ट रखें हर पल आपके स्वास्थ्य का खयाल...

800	70	16	18
बेडेड मल्टी सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल	बेडेड आईसीयू	ऑपरेशन थियेटर	बेडेड डायलिसिस युनिट

डॉ. अमित खण्डेलवाल
सीनियर इन्टरवेंशनल कार्डियोलोजिस्ट

डॉ. सुदीप चौधरी
कार्डियोथोरेसिक व वेस्कुलर सर्जन

डॉ. सुभाब्रता दास
सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट (कैंसर सर्जन)

डॉ. अनुराग पटेरिया
न्यूरो एवं स्पाईन सर्जन

डॉ. राजेश खोईवाल
न्यूरोलॉजिस्ट

डॉ. विकास गुप्ता
यूरोलॉजिस्ट

डॉ. बकुल गुप्ता
नेफ्रोलॉजिस्ट

डॉ. एम. पी. अग्रवाल
प्लास्टिक एवं कॉस्मेटिक सर्जन

डॉ.कमलेश शेखावत
इंटेसिव केयर

आमजन हेतु उपलब्ध सरकारी सुविधाएं

- आयुष्मान भारत महात्मा गांधी राजस्थान स्वास्थ्य बीमा योजना
- ESI राज्य कर्मचारी बीमा के अन्तर्गत उपचार
- राजस्थान एड्स कन्ट्रोल सोसायटी
- परिवार नियोजन एवं जननी सुरक्षा योजना
- डॉट्स टी.बी. एवं क्षय रोग

रोगियों के लिए निःशुल्क बस व एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है- सम्पर्क करें : 9587890137

डायग्नोस्टिक विश्वस्तरीय मशीनों द्वारा जांच व निदान, MRI (1.5 T), CT-Scan (128 Slice), CD4 Count की सुविधा उपलब्ध, अल्ट्रासाउण्ड, इको कार्डियोग्राम, एलर्जी टेस्ट (Phadia 100), Hb-Vario (HPCL), ADVIAXP (CLIA), TB-PCR (Gene Xpert),NABL द्वारा मान्यता प्राप्त VIROLOGY LAB

▸मोड्यूलर ऑपरेशन थियेटर ▸आई.सी.सी.यू. ▸आई.सी.यू. ▸पी.आई.सी.यू. ▸एन.आई.सी.यू. ▸कोविड आई.सी.यू. ▸आइसोलेशन वार्ड ▸बर्न आई.सी.यू. ▸ब्लड बैंक

अम्बुआ रोड़, उमरड़ा, उदयपुर (राज.) 313015 Phone: 0294-3510000, Mob. 8696440666

Email: info@pacificmedicalsciences.ac.in
Web: www.pacificmedicalsciences.ac.in

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।